Gen

Chapter 37

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

וַיֵּשֶׁב	יַעֲקֹב	בְּאֶרֶץ	מְגוּרֵי	אָבִיו	בְּאֶרֶץ	כְּנָעַן׃
और-बसा	याकूब	देश-में	परदेश	अपने-पिता-के	देश-में	कनान
H3427	H3290	H0776	H4033	H0001	H0776	

> याकूब ठहर गया और कनान प्रदेश में रहने लगा। यह वही प्रदेश है जहाँ उसका पिता आकर बस गया था।

2

אֵלֶּה	תֹּלְדוֹת	יַעֲקֹב	יוֹסֵף	בֶּן־	שְׁבַע־	עֶשְׂרֵה	שָׁנָה	הָיָה	רֹעֶה	אֶת־
ये	वंशावली	याकूब-की	योसेफ	पुत्र-	सात-	दस	वर्ष-का	था	चराता-था	को-
H0428	H8435	H3290	H3130	H1121	H7651	H6240	H8141	H1961	H7462	H0853

בַּצֹּאן	וְהוּא	נַעַר	אֶת־	בִּנֵי	בִלְהָה	וְאֶת־	בְּנֵי	זִלְפָּה	נְשֵׁי
भेड़ों-में	और-वह	जवान	के-साथ-	पुत्रों	बिल्हा-के	और-के-साथ-	पुत्रों	जिल्पा-के	पत्नियों
H6629	H1931	H5288	H0854	H1121	H1090	H0854	H1121	H2153	H0802

וַיָּבֵא	יוֹסֵף	אֶת־	דִּבָּתָם	רָעָה	אֶל־	אֲבִיהֶם׃
और-लाया	योसेफ-ने	को-	उनकी-बुरी-रिपोर्ट	बुरी	के-पास-	उनके-पिता
H0935	H3130	H0853	H1681	H7451	H0413	H0001

> याकूब के परिवार की यही कथा है। यूसुफ एक सत्रह वर्ष का युवक था। उसका काम भेड़ बकरियों कि देखभाल करना था। यूसुफ यह काम अपने भाईयों यानि कि बिल्हा और जिल्पा के पुत्रों के साथ करता था। (बिल्हा और जिल्पा उस के पिता की पत्नियाँ थी)

3

וְיִשְׂרָאֵל	אָהַב	אֶת־	יוֹסֵף	מִכָּל־	בָּנָיו	כִּי־	בֶן־	זְקֻנִים	הוּא	לוֹ
और-इस्राएल	प्यार-करता-था	को-	योसेफ	सब-से-	अपने-पुत्रों	क्योंकि-	पुत्र-	बुढ़ापे-का	वह	उसके-लिए
H3478	H0157	H0853	H3130	H3605				H2208	H1931	

וְעָשָׂה	לוֹ	כְּתֹנֶת	פַּסִּים׃
और-बनाया	उसके-लिए	अंगरखा	रंगीन
		H3801	H6446

> यूसुफ अपने पिता को अपने भाईयों की बुरी बातें बताया करता था। यूसुफ उस समय उत्पन्न हुआ जब उसका पिता इस्राएल बहुत बढ़ा था। इसलिए इस्राएल यूसुफ को अपने अन्य पुत्रों से अधिक प्यार करता था। याकूब ने अपने पुत्र को एक विशेष अंगरखा दिया। यह अंगरखा लम्बा और बहुत सुन्दर था।

4

וַיִּרְאוּ	אֶחָיו	כִּי־	אֹתּוֹ	אָהַב	אֲבִיהֶם	מִכָּל־	אֶחָיו	וַיִּשְׂנְאוּ
और-देखा	उसके-भाइयों-ने	कि-	उसे	प्यार-करता-था	उनके-पिता	सब-से-	उसके-भाइयों	और-घृणा-किया
H7200	H0251		H0853	H0157	H0001	H3605	H0251	H8130

וְלֹא	יָכְלוּ	דַּבְּרוֹ	לְשָׁלֹם׃		
और-नहीं	सकते-थे	बोलने	शांति-से		
H3808	H3201	H1696	H7965		

> यूसुफ के भाइयों ने देखा कि उनका पिता उनकी अपेक्षा यूसुफ को अधिक प्यार करता है। वे इसी कारण अपने भाई से घृणा करते थे। वे यूसुफ से अच्छी तरह बात नहीं करते थे।

5

וַיַּחֲלֹם	יוֹסֵף	חֲלוֹם	וַיַּגֶּד	לְאֶחָיו	וַיּוֹסִפוּ	עוֹד	שְׂנֹא	אֹתוֹ׃
और-स्वप्न-देखा	योसेफ-ने	स्वप्न	और-बताया	अपने-भाइयों-को	और-बढ़े	और	घृणा-करना	उससे
H2492	H3130	H2472	H5046	H0251	H3254	H5750	H8130	H0853

> एक बार यूसुफ ने एक विशेष सपना देखा। बाद में यूसुफ ने अपने इस सपने के बारे में अपने भाईयों को बताया। इसके बाद उसके भाई पहले से भी अधिक उससे घृणा करने लगे।

6

וַיֹּאמֶר	אֲלֵיהֶם	שִׁמְעוּ־	נָא	הַחֲלוֹם	הַזֶּה	אֲשֶׁר	חָלָמְתִּי׃
और-कहा	उनसे	सुनो-	कृपया	स्वप्न	यह	जो	मैंने-देखा
H0559	H0413	H8085	H4994		H2088		

> यूसुफ ने कहा, “मैंने एक सपना देखा।

נִצָּבָה	וְגַם־	אֲלֻמָּתִי	קָמָה	וְהִנֵּה	הַשָּׂדֶה	בְּתוֹךְ	אֲלֻמִּים	מְאַלְּמִים	אֲנַחְנוּ	וְהִנֵּה	7
खड़ी-रही	और-भी-	मेरी-पूली	उठी	और-देखो	खेत-के	बीच-में	पूले	बाँध-रहे-थे	हम	और-देखो	
H5324	H1571	H0485		H2009		H8432	H0485	H0481	H0587	H2009	

לַאֲלֻמָּתִי׃	וַתִּשְׁתַּחֲוֶיןָ	אֲלֻמֹּתֵיכֶם	תְסֻבֶּינָה	וְהִנֵּה
मेरी-पूली-को	और-झुकीं	तुम्हारी-पूलियाँ	घेरीं	और-देखो
H0485	H7812	H0485	H5437	H2009

> हम सभी खेत में काम कर रहे थे। हम लोग गेहूँ को एक साथ गट्ठे बाँध रहे थे। मेरा गट्ठा खड़ा हुआ और तुम लोगों के गट्ठों ने मेरे गट्ठे के चारों ओर घेरा बनाया। तब तुम्हारे सभी गट्ठों ने मेरे गट्ठे को झुककर प्रणाम किया।”

תִּמְשֹׁל	מָשׁוֹל	אִם־	עָלֵינוּ	תִּמְלֹךְ	הֲמָלֹךְ	אֶחָיו	לוֹ	וַיֹּאמְרוּ	8
तू-शासन-करेगा	शासन-करना	या-	हम-पर	तू-राज्य-करेगा	क्या-राज्य-करना	उसके-भाइयों-ने	उससे	और-कहा	
H4910	H4910					H0251		H0559	

דְּבָרָיו׃	וְעַל־	חֲלֹמֹתָיו	עַל־	אֹתוֹ	שְׂנֹא	עוֹד	וַיּוֹסִפוּ	בָּנוּ
उसकी-बातों	और-के-कारण-	उसके-स्वप्नों	के-कारण-	उससे	घृणा-करना	और	और-बढ़े	हम-पर
H1697		H2472		H0853	H8130	H5750	H3254	

> उसके भाईयों ने कहा, “क्या, तुम सोचते हो कि इसका अर्थ है कि तुम राजा बनोगे और हम लोगों पर शासन करोगे?” उसके भाईयों ने यूसुफ से अब और अधिक घृणा करनी आरम्भ की क्योंकि उसने उनके बारे में सपना देखा था।

חֲלוֹם	חָלַמְתִּי	הִנֵּה	וַיֹּאמֶר	לְאֶחָיו	אֹתוֹ	וַיְסַפֵּר	אַחֵר	חֲלוֹם	עוֹד	וַיַּחֲלֹם	9
स्वप्न	मैंने-देखा	देखो	और-कहा	अपने-भाइयों-को	उसे	और-बताया	दूसरा	स्वप्न	और	और-स्वप्न-देखा	
H2472		H2009	H0559	H0251	H0853		H0312	H2472	H5750		

לִי׃	מִשְׁתַּחֲוִים	כּוֹכָבִים	עָשָׂר	וְאַחַד	וְהַיָּרֵחַ	הַשֶּׁמֶשׁ	וְהִנֵּה	עוֹד
मुझे	झुक-रहे-थे	तारे	दस	और-ग्यारह	और-चन्द्रमा	सूर्य	और-देखो	और
	H7812	H3556	H6240	H0259	H3394	H8121	H2009	H5750

> तब यूसुफ ने दूसरा सपना देखा। यूसुफ ने अपने भाईयों से इस सपने के बारे में बताया। यूसुफ ने कहा, “मैंने दूसरा सपना देखा है। मैंने सूरज, चाँद और ग्यारह नक्षत्रों को अपने को प्रणाम करते देखा।”

לוֹ	וַיֹּאמֶר	אָבִיו	בּוֹ	וַיִּגְעַר־	אֶחָיו	וְאֶל־	אָבִיו	אֶל־	וַיְסַפֵּר	10
उससे	और-कहा	उसके-पिता-ने	उसे	और-डाँटा-	अपने-भाइयों	और-के-पास-	अपने-पिता	के-पास-	और-बताया	
	H0559	H0001		H1605	H0251	H0413	H0001	H0413		

לְהִשְׁתַּחֲוֹת	וְאַחֶיךָ	וְאִמְּךָ	אֲנִי	נָבוֹא	הֲבוֹא	חָלָמְתָּ	אֲשֶׁר	הַזֶּה	הַחֲלוֹם	מָה
झुकने-के-लिए	और-तेरे-भाई	और-तेरी-माँ	मैं	हम-आएंगे	क्या-आना	तूने-देखा	जो	यह	स्वप्न	क्या
H7812	H0251	H0517	H0589	H0935	H0935			H2088	H2472	H4100

אָרְצָה׃	לְךָ
धरती-तक	तुझे
H0776	

> यूसुफ ने अपने पिता को भी इस सपने के बारे में बताया। किन्तु उसके पिता ने इसकी आलोचना की। उसके पिता ने कहा, “यह किस प्रकार का सपना है? क्या तुम्हें विश्वास है कि तुम्हारी माँ, तुम्हारे भाई और हम तुमको प्रणाम करेंगे?”

הַדָּבָר׃	אֶת־	שָׁמַר	וְאָבִיו	אֶחָיו	בוֹ	וַיְקַנְאוּ־	11
यह-बात	को-	रखी	और-उसके-पिता-ने	उसके-भाइयों-ने	उससे	और-ईर्ष्या-की-	
H1697	H0853	H8104	H0001	H0251		H7065	

> यूसुफ के भाई उससे लगातार इर्षा करते रहे। किन्तु यूसुफ के पिता ने इन सभी बातों के बारे में बहुत गहराई से विचार किया और सोचा कि उनका अर्थ क्या होगा?

בִּשְׁכֶם׃	אֲבִיהֶם	צֹאן	אֶת־	לִרְעוֹת	אֶחָיו	וַיֵּלְכוּ	12
शकेम-में	अपने-पिता-की	भेड़	को-	चराने-के-लिए	उसके-भाई	और-गए	
H7927	H0001	H6629	H0853		H0251	H3212	

> एक दिन यूसुफ के भाई अपने पिता की भेड़ों की देखभाल के लिए शकेम गए।

אֲלֵיהֶם	וְאֶשְׁלָחֲךָ	לְכָה	בִשְׁכֶם	רֹעִים	אַחֶיךָ	הֲלוֹא	יוֹסֵף	אֶל־	יִשְׂרָאֵל	וַיֹּאמֶר	13
उनके-पास	और-मैं-भेजूँगा	आ	शकेम-में	चरा-रहे-हैं	तेरे-भाई	क्या-नहीं	योसेफ	के-पास-	इस्राएल-ने	और-कहा	
H0413	H7971	H3212	H7927		H0251	H3808	H3130	H0413	H3478	H0559	

הִנֵּנִי׃	לוֹ	וַיֹּאמֶר
मैं-यहाँ	उससे	और-कहा
H2009		H0559

> याकूब ने यूसुफ से कहा, “शकेम जाओ। तुम्हारे भाई मेरी भेड़ों के साथ वहाँ हैं।” यूसुफ ने उत्तर दिया, “मैं जाऊँगा।”

הַצֹּאן	שְׁלוֹם	וְאֶת־	אַחֶיךָ	שְׁלוֹם	אֶת־	רְאֵה	נָא	לֶךְ־	לוֹ	וַיֹּאמֶר	14
भेड़ों-की	कुशल	और-को-	तेरे-भाइयों-की	कुशल	को-	देख	कृपया	जा-	उससे	और-कहा	
H6629	H7965	H0853	H0251	H7965	H0853	H7200	H4994	H3212		H0559	

שְׁכֶמָה׃	וַיָּבֹא	חֶבְרוֹן	מֵעֵמֶק	וַיִּשְׁלָחֵהוּ	דָּבָר	וַהֲשִׁבֵנִי
शकेम	और-आया	हेब्रोन	घाटी-से	और-भेजा	संदेश	और-लौटा-दे
H7927	H0935		H6010	H7971	H1697	H7725

> यूसुफ के पिता ने कहा, “जाओ और देखो कि तुम्हारे भाई सुरक्षित है। लौटकर आओ और बताओ कि क्या मेरी भेड़ें ठीक है?” इस प्रकार यूसुफ के पिता ने उसे हेब्रोन की घाटी से शकेम को भेजा।

מַה־	לֵאמֹר	הָאִישׁ	וַיִּשְׁאָלֵהוּ	בַּשָּׂדֶה	תֹעֶה	וְהִנֵּה	אִישׁ	וַיִּמְצָאֵהוּ	15
क्या-	कहकर	उस-मनुष्य-ने	और-पूछा-उसे	खेत-में	भटक-रहा-था	और-देखो	एक-मनुष्य-ने	और-पाया-उसे	
H4100	H0559	H0376	H7592		H8582	H2009	H0376	H4672	

תְּבַקֵּשׁ׃
तू-ढूँढ़-रहा-है
H1245

> शकेम में यूसुफ खो गया। एक व्यक्ति ने उसे खेतों में भटकते हुए पया। उस व्यक्ति ने कहा, “तुम क्या खोज रहे हो?”

רֹעִים׃	הֵם	אֵיפֹה	לִּי	נָא	הַגִּידָה־	מְבַקֵּשׁ	אָנֹכִי	אַחַי	אֶת־	וַיֹּאמֶר	16
चरा-रहे-हैं	वे	कहाँ	मुझे	कृपया	बता-	ढूँढ़-रहा-हूँ	मैं	अपने-भाइयों	को-	और-कहा	
	H1992	H0375		H4994	H5046	H1245	H0595	H0251	H0853	H0559	

> यूसुफ ने उत्तर दिया, “मैं अपने भाईयों को खोज रहा हूँ। क्या तुम बता सकते हो कि वे अपनी भेड़ों के साथ कहाँ हैं?”

יוֹסֵף	וַיֵּלֶךְ	דֹּתָיְנָה	נֵלְכָה	אֹמְרִים	שָׁמַעְתִּי	כִּי	מִזֶּה	נָסְעוּ	הָאִישׁ	וַיֹּאמֶר	17
योसेफ	और-गया	दोथान	चलें	कहते-हुए	मैंने-सुना	क्योंकि	यहाँ-से	चले-गए	उस-मनुष्य-ने	और-कहा	
H3130	H3212	H1886	H3212	H0559	H8085		H2088	H5265	H0376	H0559	

בְּדֹתָן׃	וַיִּמְצָאֵם	אֶחָיו	אַחַר
दोथान-में	और-पाया-उन्हें	अपने-भाइयों	के-पीछे
H1886	H4672	H0251	

> व्यक्ति ने उत्तर दिया, “वे पहले ही चले गए है। मैंने उन्हें कहते हुए सुना कि वे दोतान को जा रहे हैं।” इसलिए यूसुफ अपने भाईयों के पीछे गया और उसने उन्हें दोतान में पाया।

לַהֲמִיתוֹ׃	אֹתוֹ	וַיִּתְנַכְּלוּ	אֲלֵיהֶם	יִקְרַב	וּבְטֶרֶם	מֵרָחֹק	אֹתוֹ	וַיִּרְאוּ	18
मारने-के-लिए	उसके-विरुद्ध	और-षड्यंत्र-रचा	उनके-पास	वह-निकट	और-पहले	दूर-से	उसे	और-देखा	
H4191	H0853	H5230	H0413	H7126	H2962	H7350	H0853	H7200	

> यूसुफ के भाईयों ने बहुत दूर से उसे आते देखा। उन्होंने उसे मार डालने की योजना बनाने का निश्चय किया।

בָּא׃	הַלָּזֶה	הַחֲלֹמוֹת	בַּעַל	הִנֵּה	אָחִיו	אֶל־	אִישׁ	וַיֹּאמְרוּ	19
आ-रहा-है	वह	स्वप्नों-का	स्वामी	देखो	अपने-भाई	के-पास-	एक-मनुष्य-ने	और-कहा	
H0935	H1976	H2472	H1167	H2009	H0251	H0413	H0376	H0559	

> भाईयों ने एक दूसरे से कहा, “यह सपना देखने वाला यूसुफ आ रहा है।”

20

Hebrew	Hindi	Strong
וְעַתָּה	और-अब	H6258
לְכוּ	आओ	H3212
וְנַהַרְגֵהוּ	और-हम-मारें	H2026
וְנַשְׁלִכֵהוּ	और-हम-फेंकें	H7993
בְּאַחַד	एक-में	H0259
הַבֹּרוֹת	गढ़ों	
וְאָמַרְנוּ	और-हम-कहेंगे	H0559
חַיָּה	जानवर	
רָעָה	बुरे-ने	
אֲכָלָתְהוּ	खा-लिया	H0398
וְנִרְאֶה	और-हम-देखेंगे	H7200
מַה־	क्या-	H4100
יִּהְיוּ	होंगे	H1961
חֲלֹמֹתָיו׃	उसके-स्वप्न	H2472

> मौका मिले हम लोग उसे मार डाले हम उसका शरीर सूखे कुओं में से किसी एक में फेंक सकते हैं। हम अपने पिता से कह सकते हैं कि एक जंगली जानवर ने उसे मार डाला। तब हम लोग उसे दिखाएँगे कि उसके सपने व्यर्थ हैं।”

21

Hebrew	Hindi	Strong
וַיִּשְׁמַע	और-सुना	H8085
רְאוּבֵן	रूबेन-ने	H7205
וַיַּצִּלֵהוּ	और-बचाया-उसे	H5337
מִיָּדָם	उनके-हाथ-से	H3027
וַיֹּאמֶר	और-कहा	H0559
לֹא	नहीं	H3808
נַכֶּנּוּ	हम-मारें	H5221
נָפֶשׁ׃	प्राण	H5315

> किन्तु रूबेन यूसुफ को बचाना चाहता था। रूबेन ने कहा, “हम लोग उसे मारे नहीं।

22

Hebrew	Hindi	Strong
וַיֹּאמֶר	और-कहा	H0559
אֲלֵהֶם	उनसे	H0413
רְאוּבֵן	रूबेन-ने	H7205
אַל־	मत-	H3808
תִּשְׁפְּכוּ־	बहाओ-	H8210
דָם	खून	H1818
הַשְׁלִיכוּ	फेंको	H7993
אֹתוֹ	उसे	H0853
אֶל־	की-ओर-	H0413
הַבּוֹר	गढ़े	
הַזֶּה	इस	H2088
אֲשֶׁר	जो	
בַּמִּדְבָּר	जंगल-में	
וְיָד	और-हाथ	H3027
אַל־	मत-	H0408
תִּשְׁלְחוּ־	भेजो-	H7971
בוֹ	उस-पर	
לְמַעַן	ताकि	H4616
הַצִּיל	छुड़ाना	H5337
אֹתוֹ	उसे	H0853
מִיָּדָם	उनके-हाथ-से	H3027
לַהֲשִׁיבוֹ	लौटाने-के-लिए	H7725
אֶל־	के-पास-	H0413
אָבִיו׃	उसके-पिता	H0001

> हम लोग उसे चोट पहुँचाए बिना एक कुएँ में डाल सकते हैं।” रूबेन ने यूसुफ को बचाने और उसके पिता के साथ भेजने की योजना बनाई।

23

Hebrew	Hindi	Strong
וַיְהִי	और-हुआ	H1961
כַּאֲשֶׁר־	जैसे-	
בָּא	आया	H0935
יוֹסֵף	योसेफ	H3130
אֶל־	के-पास-	H0413
אֶחָיו	अपने-भाइयों	H0251
וַיַּפְשִׁיטוּ	और-उतारा	H6584
אֶת־	को-	H0853
יוֹסֵף	योसेफ-से	H3130
אֶת־	को-	H0853
כֻּתָּנְתּוֹ	उसका-अंगरखा	H3801
אֶת־	को-	H0853
כְּתֹנֶת	अंगरखा	H3801
הַפַּסִּים	रंगीन	H6446
אֲשֶׁר	जो	
עָלָיו׃	उस-पर	

> यूसुफ अपने भाईयों के पास आया। उन्होंने उस पर आक्रमण किया और उसके लम्बे सुन्दर अंगरखा को फाड़ डाला।

24

Hebrew	Hindi	Strong
וַיִּקָּחֻהוּ	और-लिया-उसे	H3947
וַיַּשְׁלִכוּ	और-फेंका	H7993
אֹתוֹ	उसे	H0853
הַבֹּרָה	गढ़े-में	
וְהַבּוֹר	और-गढ़ा	
רֵק	खाली	H7386
אֵין	नहीं-था	H0369
בּוֹ	उसमें	
מָיִם׃	पानी	H4325

> तब उन्होंने उसे खाली सूखे कुएँ में फेंक दिया।

25

Hebrew	Hindi	Strong
וַיֵּשְׁבוּ	और-बैठे	H3427
לֶאֱכָל־	खाने-के-लिए-	H0398
לֶחֶם	रोटी	H3899
וַיִּשְׂאוּ	और-उठाया	H5375
עֵינֵיהֶם	अपनी-आँखें	
וַיִּרְאוּ	और-देखा	H7200
וְהִנֵּה	और-देखो	H2009
אֹרְחַת	कारवाँ	H0736
יִשְׁמְעֵאלִים	यिश्माएलियों-का	H3459
בָּאָה	आ-रही-थी	H0935
מִגִּלְעָד	गिलाद-से	H1568
וּגְמַלֵּיהֶם	और-उनके-ऊँटों-पर	H1581
נֹשְׂאִים	लादे-थे	H5375
נְכֹאת	गोंद	H5219
וּצְרִי	और-बलसान	H6875
וָלֹט	और-लोबान	H3910
הוֹלְכִים	जा-रहे-थे	H1980
לְהוֹרִיד	उतारने-के-लिए	H3381
מִצְרָיְמָה׃	मिस्र	H4714

> यूसुफ कुएँ में था, उसके भाई भोजन करने बैठे। तब उन्होंने नज़र उठाई और व्यापारियों का एक दल को देखा जो गिलाद से मिस्र की यात्रा पर थे। उनके ऊँट कई प्रकार के मसाले और धन ले जा रहे थे।

26

וַיֹּאמֶר	יְהוּדָה	אֶל־	אֶחָיו	מַה־	בֶּצַע	כִּי	נַהֲרֹג	אֶת־	אָחִינוּ	וְכִסִּינוּ
और-कहा	यहूदा-ने	के-पास-	अपने-भाइयों	क्या-	लाभ	कि	हम-मारें	को-	अपने-भाई	और-हम-ढकें
H0559	H3063	H0413	H0251	H4100	H1215		H2026	H0853	H0251	H3680

אֶת־	דָּמוֹ׃
को-	उसका-खून
H0853	H1818

इसलिए यहूदा ने अपने भाईयों से कहा, अगर हम लोग अपने भाई को मार देंगे और उसकी मृत्यु को छिपाएँगे तो उससे हमें क्या लाभ होगा?

27

לְכוּ	וְנִמְכְּרֶנּוּ	לַיִּשְׁמְעֵאלִים	וְיָדֵנוּ	אַל־	תְּהִי־	בוֹ	כִּי־	אָחִינוּ	בְשָׂרֵנוּ
आओ	और-हम-बेचें	यिश्माएलियों-को	और-हमारा-हाथ	मत-	हो-	उस-पर	क्योंकि-	हमारा-भाई	हमारा-मांस
H3212	H4376	H3459	H3027	H0408	H1961			H0251	H1320

הוּא	וַיִּשְׁמְעוּ	אֶחָיו׃
वह	और-सुना	उसके-भाइयों-ने
H1931	H8085	H0251

हम लोगों को अधिक लाभ तब होगा जब हम उसे इन व्यापारियों के हाथ बेच देंगे। अन्य भाई मान गए।

28

וַיַּעַבְרוּ	אֲנָשִׁים	מִדְיָנִים	סֹחֲרִים	וַיִּמְשְׁכוּ	וַיַּעֲלוּ	אֶת־	יוֹסֵף	מִן־	הַבּוֹר	וַיִּמְכְּרוּ
और-गुजरे	मनुष्य	मिद्यानी	व्यापारी	और-खींचा	और-निकाला	को-	योसेफ	से-	गढ़े	और-बेचा
	H0376	H4084	H5503	H4900	H5927	H0853	H3130			H4376

אֶת־	יוֹסֵף	לַיִּשְׁמְעֵאלִים	בְּעֶשְׂרִים	כָּסֶף	וַיָּבִיאוּ	אֶת־	יוֹסֵף	מִצְרָיְמָה׃
को-	योसेफ	यिश्माएलियों-को	बीस	चाँदी-में	और-लाए	को-	योसेफ	मिस्र
H0853	H3130	H3459	H6242	H3701	H0935	H0853	H3130	H4714

जब मिद्यानी व्यापारी पास आए, भाईयों ने यूसुफ को कुएँ से बाहर निकाला। उन्होंने बीस चाँदी के टुकड़ों में उसे व्यापारियों को बेच दिया। व्यापारी उसे मिस्र ले गए।

29

וַיָּשָׁב	רְאוּבֵן	אֶל־	הַבּוֹר	וְהִנֵּה	אֵין־	יוֹסֵף	בַּבּוֹר	וַיִּקְרַע	אֶת־	בְּגָדָיו׃
और-लौटा	रूबेन	की-ओर-	गढ़े	और-देखो	नहीं-था-	योसेफ	गढ़े-में	और-फाड़ा	को-	अपने-वस्त्र
H7725	H7205	H0413		H2009	H0369	H3130		H7167	H0853	

इस पूरे समय रूबेन भाईयों के साथ वहाँ नहीं था। वह नहीं जानता था कि उन्होंने यूसुफ को बेच दिया था। जब रूबेन कुएँ पर लौटकर आया तो उसने देखा कि यूसुफ वहाँ नहीं है। रूबेन बहुत अधिक दुःखी हुआ। उसने अपने कपड़ों को फाड़ा।

30

וַיָּשָׁב	אֶל־	אֶחָיו	וַיֹּאמַר	הַיֶּלֶד	אֵינֶנּוּ	וַאֲנִי	אָנָה	אֲנִי־	בָא׃
और-लौटा	के-पास-	अपने-भाइयों	और-कहा	बच्चा	नहीं-है	और-मैं	कहाँ	मैं-	जाऊँ
H7725	H0413	H0251	H0559	H3206	H0369	H0589	H0575	H0589	H0935

रूबेन भाईयों के पास गया और उसने उनसे कहा, “लड़का कुएँ पर नहीं है। मैं क्या करूँ?”

31

וַיִּקְחוּ	אֶת־	כְּתֹנֶת	יוֹסֵף	וַיִּשְׁחֲטוּ	שְׂעִיר	עִזִּים	וַיִּטְבְּלוּ	אֶת־	הַכֻּתֹּנֶת
और-लिया	को-	अंगरखा	योसेफ-का	और-जबह-किया	बकरे	बकरियों-के	और-डुबोया	को-	अंगरखे
H3947	H0853	H3801	H3130			H5795	H2881	H0853	H3801

בַּדָּם׃
खून-में
H1818

भाईयों ने एक बकरी को मारा और उसके खून को यूसुफ के सुन्दर अंगरखे पर डाला।

32

וַיְשַׁלְּחוּ	אֶת־	כְּתֹנֶת	הַפַּסִּים	וַיָּבִיאוּ	אֶל־	אֲבִיהֶם	וַיֹּאמְרוּ	זֹאת	מָצָאנוּ	הַכֶּר־
और-भेजा	को-	अंगरखा	रंगीन	और-लाए	के-पास-	उनके-पिता	और-कहा	यह	हमने-पाया	पहचान-
H7971	H0853	H3801	H6446	H0935	H0413	H0001	H0559	H2063	H4672	

נָא	הַכְתֹנֶת	בִּנְךָ	הוּא	אִם־	לֹא׃
कृपया	अंगरखा	तेरे-पुत्र-का	वह	या-	नहीं
H4994	H3801		H1931		H3808

तब भाईयों ने उस अंगरखे को अपने पिता को दिखाया और भाईयों ने कहा, “हमे यह अंगरखा मिला है, क्या यह यूसुफ का अंगरखा है?”

יוֹסֵף׃	טֹרַף	טָרֹף	אֲכָלָתְהוּ	רָעָה	חַיָּה	בְּנִי	כְּתֹנֶת	וַיֹּאמֶר	וַיַּכִּירָהּ	33
योसेफ	फाड़-दिया-गया	फाड़ा-गया	खा-लिया	बुरे-ने	जानवर	मेरे-पुत्र-का	अंगरखा	और-कहा	और-पहचाना	
H3130	H2963	H2963	H0398				H3801	H0559		

पिता ने अंगरखे को देखा और पहचाना कि यह यूसुफ का है। पिता ने कहा, “हाँ, यह उसी का है। संभव है उसे किसी जंगली जानवर ने मार डाला हो। मेरे पुत्र यूसुफ को कोई जंगली जानवर खा गया।”

יָמִים	בְּנוֹ	עַל־	וַיִּתְאַבֶּל	בְּמָתְנָיו	שָׂק	וַיָּשֶׂם	שִׂמְלֹתָיו	יַעֲקֹב	וַיִּקְרַע	34
दिन	अपने-पुत्र	के-लिए-	और-शोक-किया	अपनी-कमर-पर	टाट	और-रखा	अपने-वस्त्र	याकूब-ने	और-फाड़ा	
H3117			H0056	H4975	H8242		H8071	H3290	H7167	

רַבִּים׃
बहुत

याकूब अपने पुत्र के लिए इतना दुःखी हुआ कि उसने अपने कपड़े फाड़ डाले। तब याकूब ने विशेष वस्त्र पहने जो उसके शोक के प्रतीक थे। याकूब लम्बे समय तक अपने पुत्र के शोक में पड़ा रहा।

לְהִתְנַחֵם	וַיְמָאֵן	לְנַחֲמוֹ	בְּנֹתָיו	וְכָל־	בָּנָיו	כָּל־	וַיָּקֻמוּ	35
सांत्वना-पाने-के-लिए	और-इनकार-किया	सांत्वना-देने-के-लिए	उसकी-बेटियाँ	और-सब-	उसके-पुत्र	सब-	और-उठे	
H5162	H3985	H5162	H1323	H3605		H3605		

אֹתוֹ	וַיִּבְךְּ	שְׁאֹלָה	אָבֵל	בְּנִי	אֶל־	אֵרֵד	כִּי־	וַיֹּאמֶר
उसके-लिए	और-रोया	अधोलोक-में	शोक-करता-हुआ	अपने-पुत्र	की-ओर-	मैं-उतरूँगा	क्योंकि-	और-कहा
H0853	H1058	H7585	H0057		H0413	H3381		H0559

אָבִיו׃
उसके-पिता-ने
H0001

याकूब के सभी पुत्रों, पुत्रियों ने उसे धीरज बँधाने का प्रयत्न किया। किन्तु याकूब कभी धीरज न धर सका। याकूब ने कहा, “मैं मरने के दिन तक अपने पुत्र यूसुफ के शोक में डूबा रहूँगा।”

הַטַּבָּחִים׃	שַׂר	פַּרְעֹה	סָרִיס	לְפוֹטִיפַר	מִצְרִים	אֶל־	אֹתוֹ	מָכְרוּ	וְהַמְּדָנִים	36
अंगरक्षकों-का	सरदार	फ़िरौन-का	खोजा	पोतीपर-को	मिस्र	की-ओर-	उसे	बेचा	और-मदानियों-ने	
H2876	H8269	H6547	H5631	H6318	H4714	H0413	H0853	H4376	H4092	

פ
—

उन मिद्यानी व्यापारियों ने जिन्होंने यूसुफ को खरीदा था, बाद में उसे मिस्र में बेच दिया। उन्होंने फिरौन के अंगरक्षकों के सेनापति पोतीपर के हाथ उसे बेचा।